राजस्थान पत्रिका

Thursday, January 6th, 2011

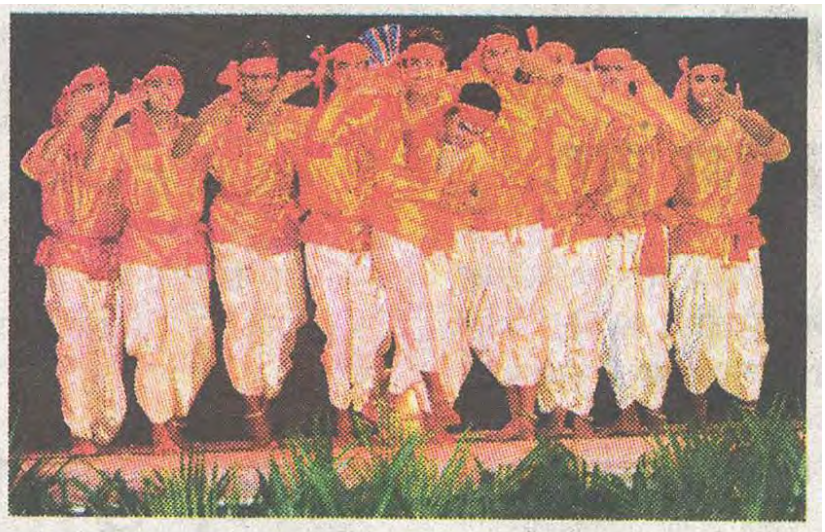

बेंगलूरु में बुधवार को जैन अंतरराष्ट्रीय आवासीय विद्यालय के 11वें वार्षिकोत्सव में कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी।

बच्चों ने दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

बेंगलूरु (कासं.). सौरमंडल के ग्रहों का भेष धारण किए हुए बच्चे, पृथ्वी की उत्पत्ति का नजारा, घने जंगलों में रहने वाले आदि मानव से आधुनिक मानव बनने का सजीव चित्रण। यह मौका था जैन अंतरराष्ट्रीय आवासीय विद्यालय के 11वें वार्षिकोत्सव के दौरान आयोजित एक नृत्य नाटक का, जिसमें करीब 200 से भी अधिक बच्चों ने हिस्सा लिया। रोचक व ज्ञानवर्धक नाटक में महाभारत के दृश्यों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसमें दिखाया गया कि मानव किस प्रकार से खुद की स्वार्थ पूर्ति के लिए पर्यावरण का अंधाधुंध दोहन करते हुए खुद अपने पांव पर कुल्हाड़ी मार रहा है। जैन समूह के अध्यक्ष आर. चेनराज जैन तथा विद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी केएल गणेश शर्मा ने समारोह की अध्यक्षता की। इसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों ने हिस्सा लिया।